Topic 1 – जर्मनी में 1,500 से अधिक कंकालों की खोज

दक्षिणी जर्मनी में पुरातत्वविदों ने एक स्थल से यूरोप के अब तक की सबसे बड़ी सामूहिक कब्र की खोज की है। जर्मनी के नुरेमबर्ग शहर में खुदाई के द्वारान लगभग 1,000 कंकाल पाए गए हैं शहर के केंद्र से सामूहिक कब्रों में अब तक प्लेग से पीड़ितों के कुल 1,500 से अधिक लोगों के कंकाल होने की संभावना हैं।

शताब्दी पुरानी डेटिंग: आरंभिक विश्लेषण से जानकारी प्राप्त हुई है कि ये कंकाल 17वीं शताब्दी के हो सकते हैं, तथा इनका संबंध बुबोनिक प्लेग जैसी ऐतिहासिक घटनाओं से हो सकता हैं।

प्लेग महामारी: अनुमान है कि नुरेमबर्ग बुबोनिक नामक प्लेग से काफी प्रभावित होता रहा है । इस खोज से आबादी पर महामारी के प्रभाव को समझने के लिए विशेष रूप से सहायता प्राप्त हो सकती है। नुरेमबर्ग में 14वीं शताब्दी के बाद से प्रत्येक 10 वर्ष में प्लेग का प्रकोप होता था।

शहर में नए आवासीय भवनों के निर्माण से पहले एक पुरातात्विक सर्वेक्षण के दौरान अवशेषों की खोज की गई । यूरोप में पाए गए प्लेग पीड़ितों का यह सबसे बड़ा सामूहिक कब्रगाह हो सकने की उम्मीद है। इन सामूहिक कब्रों की तिथि जानने के लिए रेडियोकार्बन डेटिंग का इस्तेमाल किया गया जिससे पता चला कि अवशेषों का पुराना समूह संभवतः 1632-1633 महामारी के समय का है।

कार्बन डेटिंग करने वाले लोगों ने अनुमान लगाया है कि लगभग 2,000 से अधिक लोगों को सेबेस्टियन स्पिटल के पास दफनाया गया था - यह वही स्थान है जहां से वर्तमान खुदाई में कंकाल की प्राप्ति हुई है।

Topic 2 :– भारत रोजगार रिपोर्ट 2024

टॉपिक मुख्य परीक्षा - सामान्य अध्ययन, पेपर-3

'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' को मानव विकास संस्थान और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी किया गया

इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में काम की तलाश में लगे कुल बेरोजगारों में 83% युवा हैं। भारत में बेरोजगार युवाओं में माध्यमिक या उच्च शिक्षा वाले लोगों की हिस्सेदारी 2000 में 54.2 प्रतिशत से बढ़ कर वर्ष 2022 में 65.7% हो गई है।

एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2021 में भारत की कुल आबादी में युवाओं का हिस्सा 27% था जो 2036 तक घटकर 21% रह जाएगा। रिपोर्ट में दिए गए डाटा के अनुसार, 2000-2019 के दौरान दीर्घकालिक गिरावट के बाद हाल में भारत में समग्र श्रम बल भागीदारी, कार्यबल भागीदारी और रोजगार दरों में सुधार हुआ है।

Result Mitra

वर्ष 2022 में कुल बेरोजगार आबादी में बेरोजगार युवाओं की हिस्सेदारी 82.9 प्रतिशत थी। शिक्षित बेरोजगार युवाओं (माध्यमिक स्तर या उच्च शिक्षा वाले) में पुरुषों (62.2 प्रतिशत) की तुलना में महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक (76.7 प्रतिशत) है।

इस रिपोर्ट के अनुसार युवाओं के पास कार्य करने का कौशल भी उपलब्ध नहीं है दिए गए डाटा के अनुसार 75% युवा ईमेल भेजने में असमर्थ हैं, 60% फ़ाइलों को कॉपी एवं पेस्ट करने में असमर्थ हैं और 90% युवा कार्यबल को गणितीय सूत्र को स्प्रेडशीट में कॉपी और पेस्ट करने में असमर्थ हैं।

लिंग भेद का बढ़ना(Widening gender gap)

महिला श्रम बल भागीदारी की कम दर के साथ देश श्रम बाजार में पर्याप्त लिंग अंतर की चुनौती का भी सामना कर रहा है।

रोजगार क्षेत्र में सुधार के लिए रिपोर्ट के प्रमुख सुझाव:

रोजगार सृजन को बढ़ावा देना ।

रोजगार की गुणवत्ता में सुधार।

श्रम बाज़ार की असमानताओं को संबोधित करना।

कौशल और सक्रिय श्रम बाजार नीतियों को मजबूत करना।

श्रम बाजार पैटर्न और युवा रोजगार पर ज्ञान की कमी को पाटना।

Result Mitra

Topic 3:– भारत में बने फाइटर एयरक्राफ्ट ने पहली बार उड़ान भरी

भारत में मेड इन इंडिया के अंतर्गत बन रहे एलसीए तेजस मार्क-1ए (LCA Tejas Mark-1A) सीरीज के पहले फाइटर एयरक्राफ्ट LA5033 ने अपनी पहली उड़ान भरी। एलसीए ने यह उड़ान बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के केंद्र से भरी और यह विमान 15 मिनट तक हवा में रहा।

LCA मार्क 1A तेजस के बारे में :–

सिंगल इंजन फाइटर जेट की रेंज बढ़ाने के लिए इसमें मिड-एयर रिफ्यूलिंग की क्षमता है। LCA मार्क 1A में AESA रडार का प्रयोग किया गया है। यह रडार की रेंज पुराने तेजस में लगे रडार से ज्यादा है और जैमिंग को बेहतर तरीके से रोकता है।

इसमें अपग्रेडेड रडार वॉर्निंग रिसीवर सिस्टम (RWR) का प्रयोग किया गया है। इससे एयरक्राफ्ट खतरों को जल्दी डिटेक्ट कर पाएगा। इसमें कई उन्नत उपकरण लगाए गए है जैसे की डिजिटल मैप जेनरेटर, स्मार्ट मल्टी-फंक्शन डिस्प्ले और एडवांस रेडियो अल्टीमीटर ।

इस एयरक्राफ्ट को बेंगलुरु स्थित DRDO लैब एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ADA) द्वारा डेवलप किया गया है। जबकि विमान का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड कर रही है।

HAL को भारतीय वायुसेना ने 2021 में 83 तेजस मार्क-1ए के निर्माण के लिए 46,898 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट दिया था इसके लिए मार्च 2024-फरवरी 2028 तक 83 एयरक्राफ्ट की डिलीवरी का समय निर्धारित किया गया है।

Topic 4:– IIT-बॉम्बे के एक अध्ययन में पश्चिमी घाट क्षेत्र में मृदा अपरदन का उल्लेख

चर्चा में क्यों :–

IIT-बॉम्बे के द्वारा किए गए एक अध्ययन में पश्चिमी घाट में मृदा अपरदन की गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई है।अध्ययन 1990 से 2020 के बीच लैंडसैट 8 के डेटा : वर्षा रिकॉर्ड पर आधारित ।

पक्षिमी घाट :–
पश्चिमी घाट भारत के पश्चिमी तट के समानांतर अरब सागर से लगी पर्वतों की श्रखला है। इसकी लंबाई लगभग 1,600 कि.मी. है। यह मुख्यत निम्नलिखित छह राज्यों में विस्तारित है :– गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु।

अध्ययन के मुख्य बिंदु :–

गुजरात और तमिलनाडू में पश्चिमी घाट के कुछ हिस्सों में मृदा अपरदन में क्रमशः 119% एवं 121% की वृद्धि दर्ज की गई । तो बही पूरे पश्चिमी घात क्षेत्र में मृदा अपरदन में 94% की वृद्धि दर्ज ।

बही दूसरी तरफ मात्रा के हिसाब से, 2020 में महाराष्ट्र में प्रति वर्ष सबसे अधिक 79 टन प्रति हेक्टेयर मृदा का अपरदन हुआ तो केरल में सबसे कम अपरयम देखने को मिला।

अपरदन के उत्तरदाई कारक :–

अधिक वर्षा के कारण होने वाले अपरदन में वृद्धि ।

खड़ी ढलान

पेड़ पौधों की कटाई

असंधारणीय भूमि उपयोग,

चाय, कॉफी जैसी फसलों की खेती ।

इन सभी कारणों के कारण संपूर्ण पश्चिमी घाट क्षेत्र में जैव विविधता, कृषि उत्पादकता, जल की गुणवत्ता आदि के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।

सुरक्षा संबंधी उपायः–

1.गाडगिल समिति और डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति जिसका कार्य पश्चिमी घाट क्षेत्र की पारिस्थितिकी का आकलन करना है ।
2.केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत पश्चिमी घाट प्राकृतिक विरासत प्रबंधन समिति का गठन।
3.राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिजर्व, वन्यजीव अभयारण्य आदि संरक्षित क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि करने के प्रयास करना।

Result Mitra

Result Mitra